<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>
<u>वेटोफोरिया 2023 में प्रतिभागियों ने दिखाया कौशल</u>

पंतनगर। 30 अप्रैल 2023। विश्वविद्यालय के वेटनरी सोसाइटी, पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित सात–दिवसीय कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ विश्वविद्यालय के गांधी सभागार में सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने पशुचिकित्सा दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के सभी सोसाइटी के सदस्यों एवं छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आज महाविद्यालय के छात्र न केवल जीवन में शिक्षा में अग्रणी हैं बल्कि सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यों में भी अग्रसर है। साथ ही उन्होंने वेटरनरी सोसाइटी द्वारा आयोजित कीटनाशक दवाईयों का वितरण एवं रेबीज टीकाकरण आयोजित करने के लिए भी बधाई दी और कहा कि भविष्य में और कार्यक्रम आयोजित किये जाएं ताकि आस–पास के किसान एवं पशुपालक लाभान्वित हो सके। अपने कार्यों को याद करते हुए कुलपति जी ने कहा कि जब तक मुझे गाय के गोबर की खुशबू नहीं आती है मुझे लगता है आज का दिन पूरा नहीं हुआ और उन्होंने छात्रों को पशु सेवा के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एस.पी. सिंह ने कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व पशुचिकित्सा दिवस की बधाई के साथ–साथ छात्रों द्वारा किए गए विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. बृजेश सिंह ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों का आयोजन छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक होता है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा हिमाचली, कुमांऊनी, गढ़वाली, पंजाबी, लावणी, बंगाली, मद्रासी, गुजराती, राजधानी आदि सभी लोक नृत्यों की सुंदर प्रस्तुति से मौजूद लोगों को भारत दर्शन कराया गया। इस मौके पर डा. राजीव रंजन कुमार, स्टाफ काउंसलर, वेटरनरी सोसायटी ने धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया एवं उन्होंने कहा कि विश्व पशुचिकित्सा दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष छात्रों द्वारा अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस कार्यक्रम का संचालन नीरज बिष्ट और आकांक्षा पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में दीपक जोशी, निखिल चौहान, सादगी राणा, जयश्री आदि की अहम भूमिका रही।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक नृत्य प्रस्तुत करते महाविद्यालय के विद्यार्थी।